② मध्यवर्ती अरावली पर्वतीय प्रदेश

निर्माण → प्रोटेरोजोइक महाकल्प
कैलेडोनियन युग

क्षेत्रफल → 9%
जनसंख्या → 10%
अवशेष → गोडवाना भूमि
मिट्टी → लाल पथरीली
जलवायु → उपआर्द्र
प्रमुख फसल → मक्का

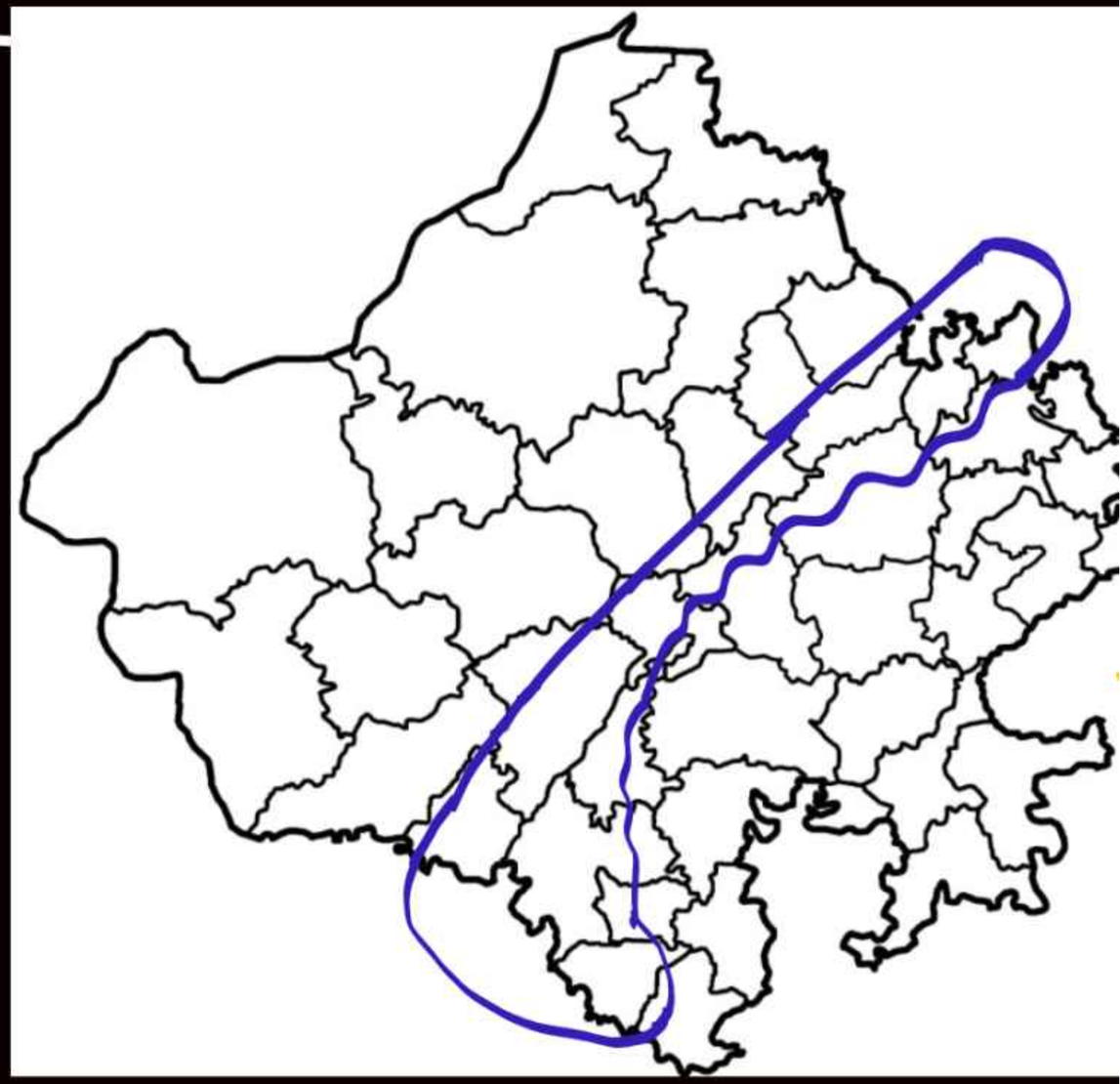

वनस्पति → पर्वतीय वन

वर्षा → 50-90 सेमी

→ अरावली की तुलना → अमेरिका के अप्लेशियन पर्वत से

→ अरावली का पिता → अरब सागर

→ उत्पत्ति = अरब सागर के मिसिक्कोप द्वीप

→ अरावली की बनावट के बारे में उल्लेख → A.M. हैरान ने।

नोट: = प्रीकैम्ब्रियन युग की सभी चट्टानों की बनावट का उल्लेख A.M. हैरान ने किया।

अरावली की कुल लम्बाई :- 692 किलो मीटर

खेड़ ब्रह्मा, पालनपुर (गुजरात) से

रायसीना (दिल्ली तक)

राजस्थान में लंबाई :- 550 कि.मी / 80%

माउन्ट आबु (सिरोही) से खेतड़ी

(झुंझुनू)

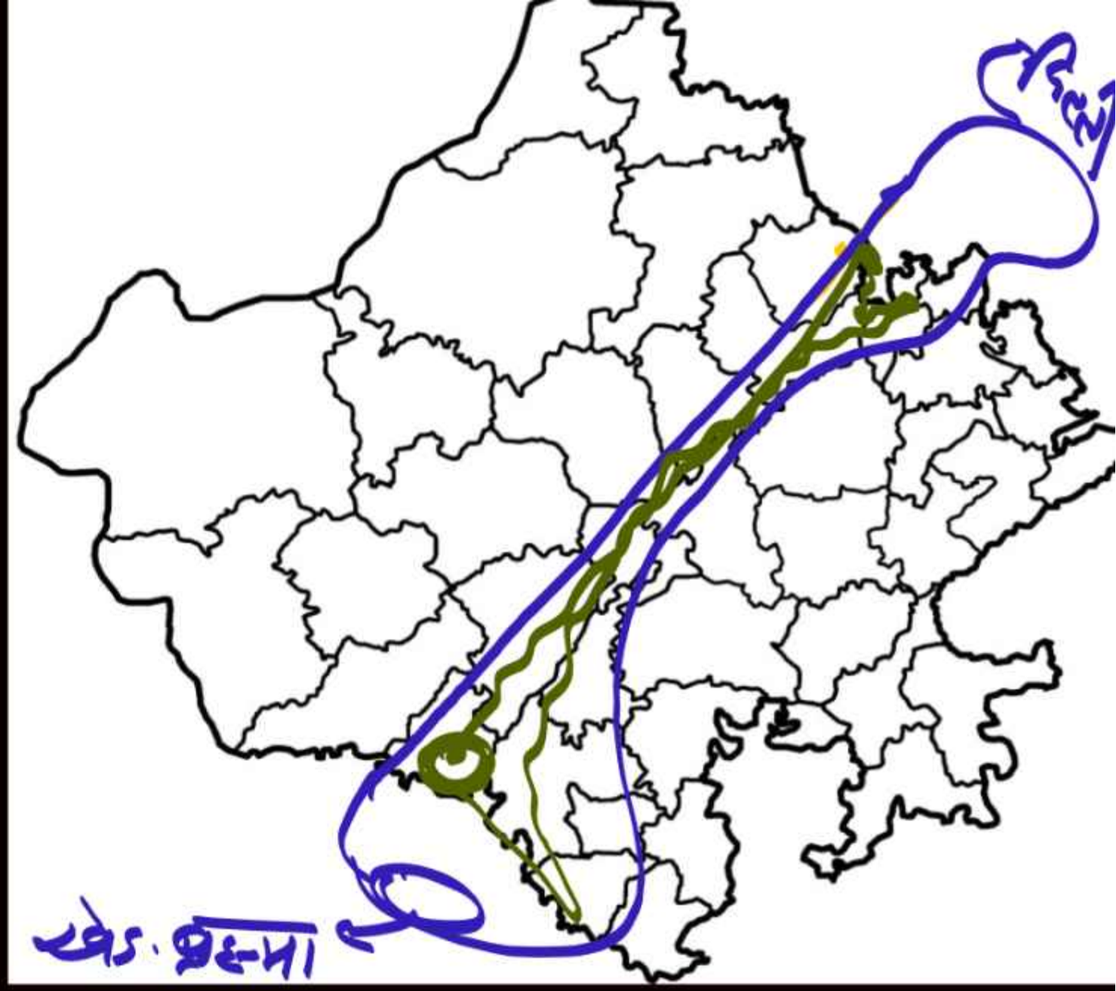

नोट = अरावली का दक्षिणी बिन्दु भुज भूमि पर खेड़ ब्रह्मा जबकी सुदूर दक्षिणी बिन्दु - अरब सागर तल हो

→ अरावली पर्वत माला मुख्यत क्वार्टज, ग्रेनाइट, नीस चट्टानो से निर्मित है

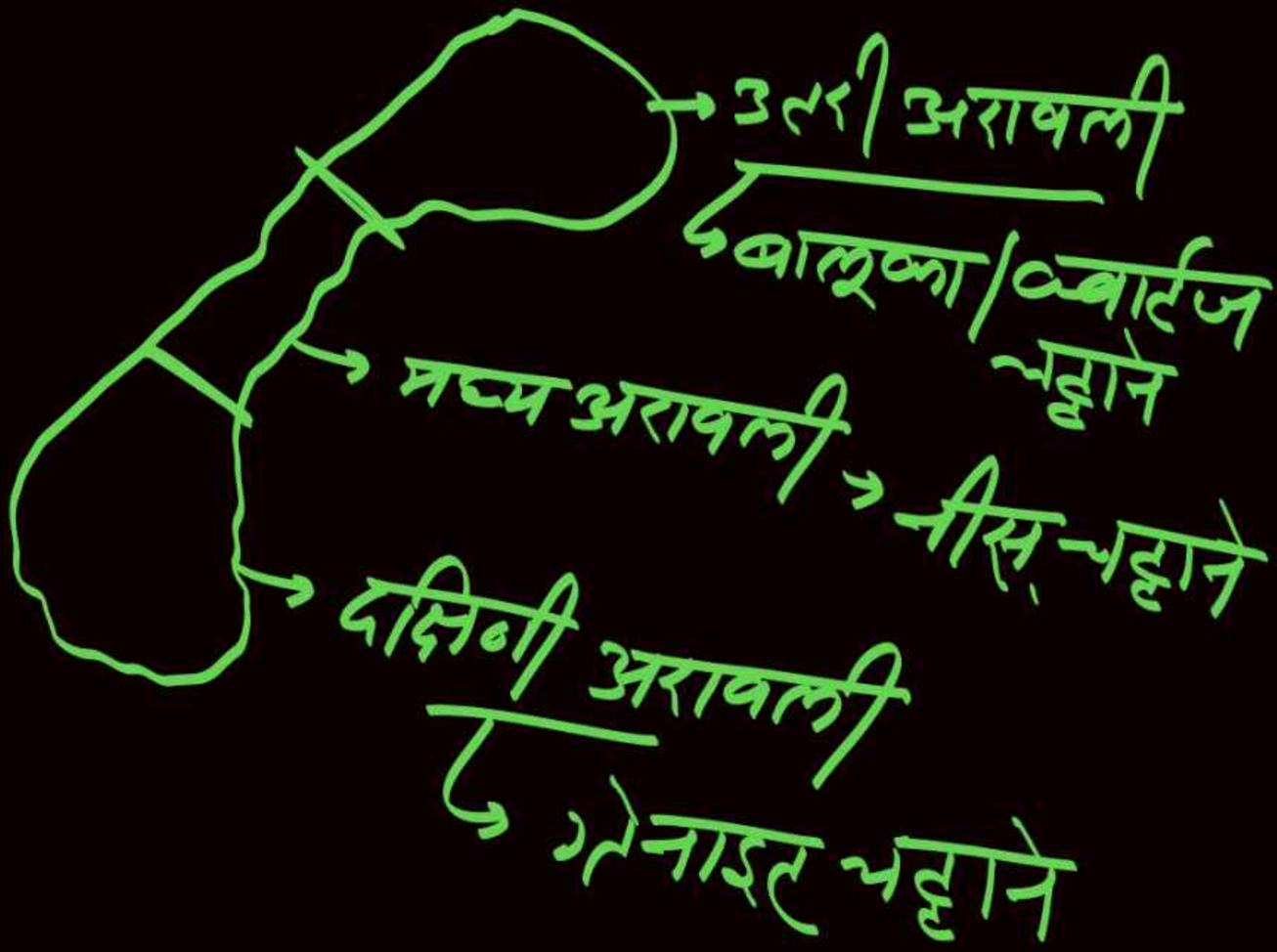

अरावली पर्वत माला प्राचीन वलित व अपशिष्ट पर्वत माला है।

→ अरावली के उपनाम

अंग्रेजी → एपोलॉपी

विष्णु पुराण → परिपत्र

उदयपुर - अड़ावला

धूंदी → आड़ा डुल्ला

सिरोही → आबू गुलाक

अरावली का विस्तार : 17

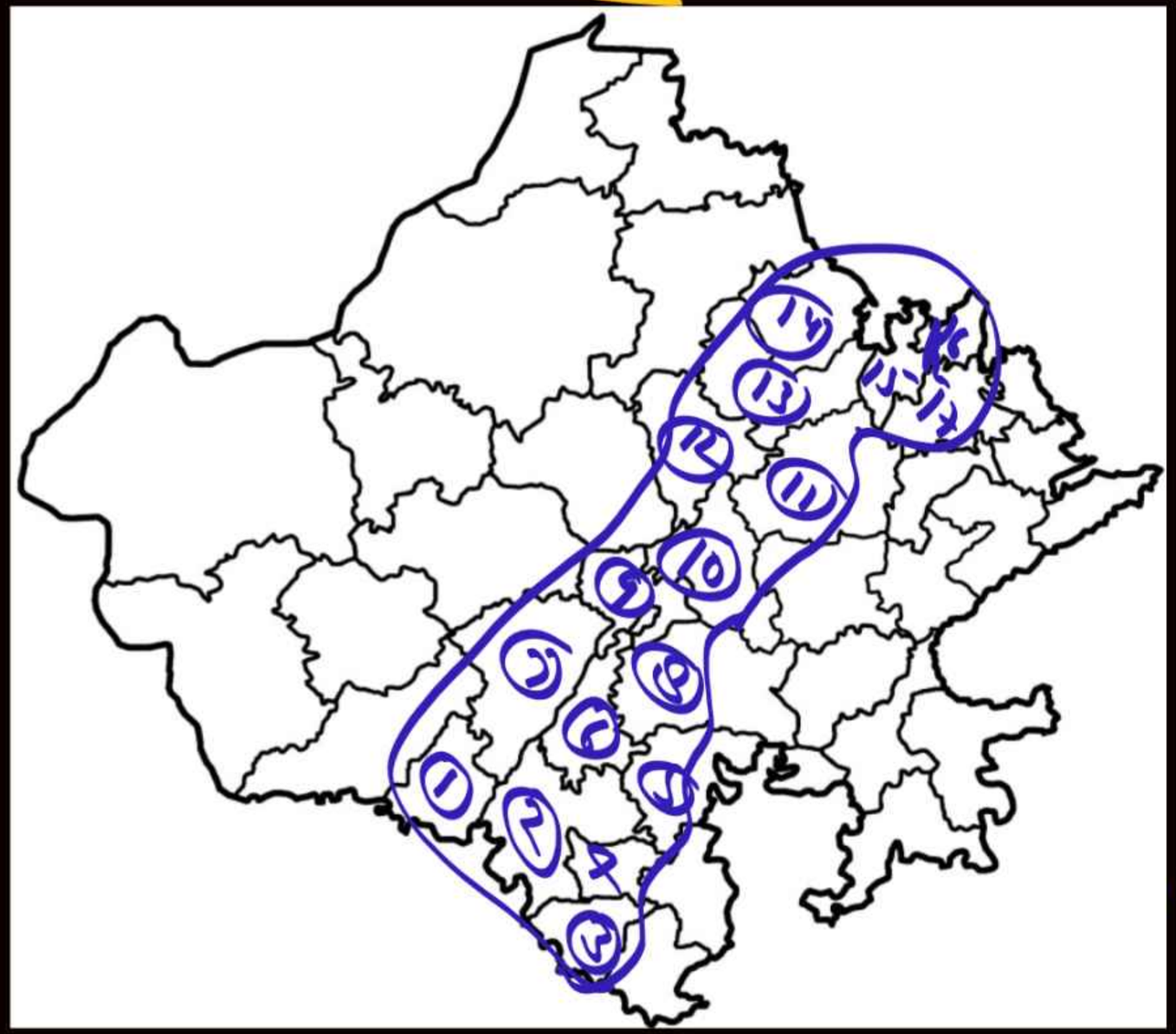

1. सिरोही
2. उदयपुर
3. राजसमंद
4. चित्तौड़गढ़
5. भीलवाड़ा
6. राजसमंद
7. पाली
8. नागौर
9. दौसा
10. अजमेर
11. जयपुर
12. डीडवाना कुचामन
13. नीमराणा
14. झुंझुनूं
15. खेतड़ी सूलली खेतड़ी
16. खैरथल तिजारा
17. अलवर

→ नोट :- H.M. सक्सेना के अनुसार अरावली पर्वत माला का विस्तार राजस्थान के 7 जिलो मे है

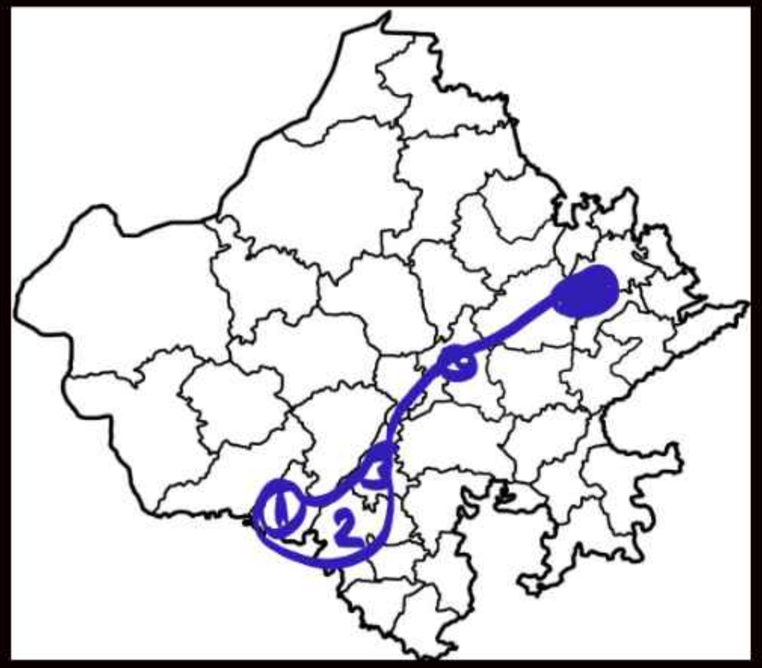

→ दक्षिणी अरावली → 3 जिलो मे
↳ सिरोही, उदयपुर, राजसमंद

→ मध्य अरावली → 1 जिले मे
↳ अजमेर

→ उत्तरी अरावली - 3 जिलो मे
↳ जयपुर, अलवर, दौसा

→ अरावली की विशेषता :-

① सर्वाधिक जैव विविधता वाला क्षेत्र

② इस क्षेत्र में सर्वाधिक वन्यजीव निवास करते है।

③ अरावली पर्वतमाला पश्चिमी मरुस्थल का पूर्वी विस्तार रोकती है।

④ इसकी समुद्र तल से औसत ऊँचाई - 930 मीटर है।

⑤ राजस्थान की अधिकांश नदियों का उद्गम अरावली पर्वत माला से होता है।

⑥ अरावली को 50 सेमी वर्षा रेखा माना जाता है।

⑦ अरावली पर्वत माला की स्थिति अरब सागरीय मानसून के समान्तर होने के कारण राज्य में वर्षा कम होती है।

⑧ यह पर्वतमाला कर्णवत क्रम (आड़ी तरह) में फैली है।

⑨ यह राज्य के प्रवाह क्रम को दो भागों में विभाजित करती है।

⑩ राज्य का सर्वाधिक खनिज रत्नी क्षेत्र में पाया जाता है।